एण्ड प्राकृत मेन्युस्क्रिप्ट्स', (जैसलमेर कलेक्शन), संकलन - मुनि पुण्यविजय, प्रकाशक-लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्या मन्दिर, अहमदाबाद-9, गुजरात, प्रथम संस्करण-सन् 1972, कुल पृष्ठ-510, पोथी क्र.-48, क्र.-888, पृष्ठ-257। विशेष - इसी भण्डार की पोथी क्र.-97-98, पृष्ठ-306, क्र. 1530 पर तत्त्वार्थाधिगमसूत्र एवं क्र. 1531 पर तत्त्वार्थसूत्र श्रुतसागरी टीका सह का भी उल्लेख प्राप्त होता है।

109. ***तत्त्वार्थसूत्र सार्थ*** (संस्कृत) – अज्ञात, 'आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर की ग्रन्थ सूची', शेष विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-68, पत्र संख्या-37, आकार - 10½x5 इंच, अपूर्ण, सूत्रों का अर्थ सरल संस्कृत में दिया है। **विशेष** – इसके अतिरिक्त इस भण्डार में तत्त्वार्थसूत्र (मूल संस्कृत), तत्त्वार्थरत्नप्रभाकर-प्रभाचन्द्रदेव कृत संस्कृत टीका, तत्त्वार्थ राजवार्तिक, श्रुतसागराचार्य कृत टीका, सर्वार्थसिद्धि, श्लोकवार्तिक, योगदेव कृत तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति, भट्टारक सकलकीर्ति कृत सूत्रों का संस्कृत पद्यात्मक अर्थ, अज्ञात कर्तृक भाषा टीका आदि अनेक प्रतियाँ भी इस भण्डार में हैं।

110. ***तत्त्वार्थसूत्र–सुखबोधिका*** (3000 श्लोक प्रमाण) – योगदेव, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156, शेष विवरण पूर्ववत्, डॉ. आर.जी. भाण्डारकर की पाँचवीं रिपोर्ट - कलेक्शन ऑफ 1884-87, क्र.-1096, वि.सं. 1671। अन्य 8 प्रतियों की भी सूचनाएँ उपलब्ध हैं।

111. ***तत्त्वार्थसूत्राष्टक जयमाला*** (संस्कृत) – 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-2), संपादक-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, पृ.-170-171, परिशिष्ट पृ.-305, क्र.-2006, ग्रन्थ क्र.-त/42/32, आकार-32.3x19.0 से.मी., प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्।

112. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत) – 'केटलॉग ऑफ दि जैन मैन्युस्क्रिप्ट्स ऑफ दि ब्रिटिश लाइब्रेरी' (3 वॉल्यूम), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्। ग्रन्थ क्र. 1204; ओरिएण्टल कलेक्शन नं. Or. 13221 (3), वॉल्यूम I, पृष्ठ 104; 'क्लासीफाइड लिस्ट ऑफ एण्ट्रीज'; II 'दिगम्बर लिट्रेचर' के अन्तर्गत एवं वॉल्यूम III, पृष्ठ-339।

113. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत) – 'केटलॉग ऑफ दि जैन मेन्युस्क्रिप्ट्स ऑफ दि ब्रिटिश लाइब्रेरी' (3 वॉल्यूम), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, ग्रन्थ क्र. 1205; कन्नड़ लिपि, इण्डिया ऑफिस नं. I.O. San. 3532 (2), 'क्लासीफाइड लिस्ट ऑफ एण्ट्रीज'; II 'दिगम्बर लिट्रेचर' के अन्तर्गत, वॉल्यूम I, पृष्ठ 104 एवं वॉल्यूम III, पृष्ठ 339-340।

114. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (सटिप्पण प्रति), श्वेताम्बराचार्य रत्नसिंह सूरि, 'जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश' ग्रन्थ में प्राप्त उल्लेख, संपादक- पं. जुगलकिशोर मुख्तार, प्रकाशक - वीर शासन संघ, कलकत्ता, सन् 1956 में उल्लिखित विवरण।

115. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत) – टीकाकार-श्रुतसागरसूरि (दिगम्बर), उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र, कोबा-382 007, गांधीनगर, गुजरात, हस्तलिखित प्रति क्र.-0010063, पृष्ठ संख्या-384 एवं हस्तलिखित प्रति क्र.-0014401, पृष्ठ संख्या-248, पूर्ण।

116. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : अवचूरि*** (संस्कृत), रचनाकार-अज्ञात, उपलब्धि-स्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति-0014094, पृष्ठ संख्या-23।

117. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र–अवचूरी व श्लोक संग्रह*** (संस्कृत) – टीकाकार - अज्ञात, उपलब्धि स्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित ग्रन्थ क्र.-0026327, पृष्ठ क्र. 9, पूर्ण।

118. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : आद्य संबंध कारिका, स्वोपज्ञ भाष्य टीका*** (संस्कृत) – टीकाकार-देवगुप्त सूरि एवं सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र. 0000049, पृष्ठ संख्या 391, अपूर्ण।

119. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र–तत्त्वार्थसूत्र आद्य संबंधकारिका टीका सहित*** (संस्कृत) – टीकाकार-देवगुप्त सूरि एवं सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित

प्रति क्र.-0015070, पृष्ठ संख्या-276, अपूर्ण, एवं हस्तलिखित प्रति क्र.-00036022, पृष्ठ संख्या-2।

120. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र–तत्त्वार्थसूत्र की आद्य संबंध कारिका की टीका सहित*** (संस्कृत) – टीकाकार-देवगुप्त सूरि एवं सिद्धसेन, उपलब्धि-स्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0003642, पृष्ठ सं.-737, पूर्ण।

121. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : तत्त्वार्थसूत्र की आद्य संबंध कारिका भाष्य व टीका*** (संस्कृत) – टीकाकार-देवगुप्त सूरि व सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0015061, पृष्ठ संख्या-462, पूर्ण।

122. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र टीका –*** उपाध्याय यशोविजय, सन्दर्भ-'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-155, शेष विवरण पूर्ववत्, अपूर्ण, 'अनेकान्त'-I, पृष्ठ-596।

123. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र टीका*** (स्वोपज्ञ भाष्य के समान, 2490 श्लोक प्रमाण) - नागर वाचक/वाचक, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-155, शेष विवरण पूर्ववत्, संघ भण्डार, पोफलिया वाडा, वखतजी शेरी, पाटन, गुजरात (पीएपी)-68 (11) पर उपलब्ध प्रति।

124. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र टीका*** - मलयगिरि, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-155, शेष विवरण पूर्ववत्, प्रकाशक-आगमोदय समिति सीरीज, सूरत, पृष्ठ-298, 'अनेकान्त'-I, पृष्ठ-582।

125. ***तत्त्वार्थाधिगम सूत्र : नयाधिकार का विवेचन*** (पुरानी हिन्दी), रचनाकार-अज्ञात, उपलब्धि स्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0068115, पृष्ठ संख्या-13।

126. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : बालावबोध : टबार्थ व भावार्थ*** (हिन्दी), टीकाकार-अज्ञात, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0001085, पृष्ठ संख्या-12।

127. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** - (मोक्षशास्त्र पर 'बोधचन्द्रिका' संज्ञक बालबोध टिप्पणी/संस्कृत), 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-1), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-72-73 एवं परिशिष्ट पृष्ठ-149, क्र.-417, ग्रन्थ क्र.- ख/135/1, आकार-35.7x21.2 से.मी., फाल्गुन शुक्ला 10, विक्रम संवत् 1919 में पं. शिवचन्द्र के द्वारा इन्द्रप्रस्थ में लिखित हस्तलिखित प्रति।

128. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्रव्याख्या*** (कन्नड़) - बालचन्द्रदेव, 'डिस्क्रिप्टिव केटलॉग ऑफ संस्कृत मेन्युस्क्रिप्ट्स' (वॉल्यूम - XIV), प्रधान सम्पादक - डॉ. एच.पी. मल्लदेवरु, प्रकाशक-ओरियण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, मैसूर यूनिवर्सिटी, मैसूर-5, कर्नाटक, प्रथम संस्करण- सन् 1988, कुल पृष्ठ संख्या-816, क्रमांक-ई 44548, हस्तलिखित प्रति क्र.-पी. 6105/2, ताड़पत्रीयप्रति, कन्नड़भाषा, आकार - 46x5 से.मी., पत्र संख्या-182, पूर्ण, जीर्ण एवं कीट प्रभावित, पृष्ठ क्र.-272-73, एवं क्र.-733, पृष्ठ-602। **विशेष –** इसके अतिरिक्त क्र.- 44535 से 44546 तक, पृष्ठ क्र. 268 से 273 तक, एवं पृष्ठ संख्या 595 से 601 तक में आचार्य उमास्वामी कृत तत्त्वार्थाधिगमसूत्र की 9, तत्त्वार्थाधिगमसूत्रवार्तिकम् (राजवार्तिकालंकार) - आचार्य अकलंकदेव, [वत्सगोत्रीय जगन्नाथ शर्मा कृत (संभवतः प्रतिलिपिकार)] की 5 एवं भास्करनन्दी विरचित तत्त्वार्थवृत्ति सुखबोधिनी की भी दो प्रतियों का उल्लेख है।

129. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सह टबार्थ*** (पुरानी हिन्दी) - रचनाकार-अज्ञात, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रतियाँ क्र.-0000222, 0069171, 0069418, 0059776, 0015048, पृष्ठ क्र. (क्रमशः) - 67, 38,11,144,43।

130. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सह टबार्थ*** (मारु गुर्जर), टीकाकार-अज्ञात, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञानमन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति. क्र-0010201, पृष्ठ संख्या-18।

131. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सर्वार्थसिद्धि वृत्ति*** (भाषा टीका/बीजक/पु.हि.) - टीकाकार-अज्ञात, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0069198, पृष्ठ संख्या-123, पूर्ण ।

132. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : सर्वार्थसिद्धिवृत्ति*** (संस्कृत), टीकाकार-देवनन्दी (दिगम्बर), उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0010062, पृष्ठ संख्या-201 ।

133. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सह भाष्य व टीका*** (संस्कृत) - टीकाकार-सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0015073, पृष्ठ संख्या-587, अपूर्ण ।

134. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सह वृत्ति*** (संस्कृत) – टीकाकार-आचार्य योगदेव (दिगम्बर), उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0010458, पूर्ण, पृष्ठ संख्या-117 ।

135. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : स्वोपज्ञ भाष्य की वृत्ति*** (संस्कृत टीका) - टीकाकार - सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0000143, पृष्ठ संख्या-383, पूर्ण ।

136. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : स्वोपज्ञ भाष्य की वृत्ति*** - टीकाकार - सिद्धसेन, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0000601, पृष्ठ संख्या-510 एवं हस्तलिखित प्रति क्र.-000013, पृष्ठ सं.-325 (अध्याय 5 से 8 तक) ।

137. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : हिस्सा नय अधिकार की सर्वार्थसिद्धि टीका*** (संस्कृत) – टीकाकार-देवनन्दी (दिगम्बर), उपलब्धिस्थान - आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर कोबा, शेष विवरण पूर्ववत्, हस्तलिखित प्रति क्र.-0004526, पृष्ठ संख्या-6, पूर्ण।

138. ***राजवार्तिक (तत्त्वार्थवार्तिक व्याख्यानालंकार*** – अकलंक, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), प्रकाशन आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ - 58-59, एवं परिशिष्ट पृष्ठ-121, क्रमांक-331, ग्रन्थ क्र.-ख/43, आकार-29.3x19.8 से.मी.।

139. ***राजवार्तिक टिप्पण*** – पद्मनाभ, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', शेष विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-156, वरंग जैन मठ हेब्रू (Hebru) दक्षिण कनारा के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, पृष्ठ-32।

140. ***राजवार्तिक टीका*** (तत्त्व कौस्तुभ हिन्दी टीका) – टीकाकार - पं. पन्नालाल संघी, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-41-42, क्रमांक- 646 से 652, ग्रन्थ भण्डार क्र.-3895 से 3900 तक, एवं 4320, लिपिकाल-वि.सं. 1932 से 1934 तक, पत्र क्र.- (क्रमशः) 266,173,152,19 + 61+144+35+ 133+174+76+59, आकार-21x8, 20x9 एवं 21x9 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर, राजस्थान से प्राप्त प्रतियाँ।

141. ***राजवार्तिकालंकार*** (संस्कृत) – आचार्य अकलंकदेव, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.- 41-42, क्रमांक-645, ग्रन्थ भण्डार क्र.-3790, लिपिकाल-वि.सं. 1887, पत्र सं.-108, आकार-20x7 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर, राजस्थान से प्राप्त प्रति।

142. ***लघु तत्त्वार्थ*** (अर्हत्प्रवचन) – 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), संपादन-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-48-49, परिशिष्ट पृ.-104-105, क्रमांक-280-281, ग्रन्थ क्रमांक-ज-ख/7, एवं ङ/7-ग/11, आकार-28.3x14.2 एवं 21.1x13.3 से.मी.।

143. ***लघु तत्त्वार्थ सूत्र*** (अर्हत् प्रवचन/संस्कृत) – 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-2), संपादन-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-24-25, परिशिष्ट पृष्ठ-43, क्रमांक-1134, ग्रन्थ क्र.-ज/51, आकार-32.3.x20.1 से.मी. ।

144. ***लघु तत्त्वार्थ सूत्र*** (संस्कृत) – x, 'ए डिस्क्रिप्टिव केटलॉग ऑफ मेन्युस्क्रिप्ट्स इन दि भट्टारकीय ग्रन्थ भण्डार नागौर', सम्पादक - डॉ.पी. सी. जैन, प्रकाशक - जैन स्टडीज सेण्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, प्रथमावृत्ति-सन् 1981, पृष्ठ-296, पत्र संख्या-4, आकार - $7\ ^{1}/_{4} x 5^{1}/_{4}$ इंच, ग्रन्थ संख्या-2272, प्राचीन, पूर्ण, पृष्ठ क्र. 22 । **विशेष** – उमास्वामी कृत 'तत्त्वार्थ सूत्र' से संकलन करके ही लघु तत्त्वार्थसूत्र की रचना की गई है। इसके अतिरिक्त तत्त्वार्थसूत्र मूल, संस्कृत एवं हिन्दी टीका, वचनिका आदि की अनेक प्रतियाँ भी इस भण्डार में हैं ।

145. ***लघु तत्त्वार्थ सूत्र*** (संस्कृत) – आचार्य प्रभाचन्द्र, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग-3), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-91-92, क्रमांक-1508, ग्रन्थ भण्डार क्र.-5736, पत्र संख्या-1, आकार-8x19.5 से.मी., अपूर्ण प्रति, श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर टोडारायसिंह, राजस्थान से प्राप्त प्रति ।

146. ***श्लोकवार्तिकालंकार*** (संस्कृत) – आचार्य विद्यानन्दी, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-41-42, क्रमांक-653, ग्रन्थ भण्डार क्र.-3760, लिपिकाल-वि.सं. 1986, पत्र सं.-405, आकार-25x20 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर, राजस्थान से प्राप्त प्रति ।

147. ***सर्वार्थसिद्धि*** (संस्कृत) – आचार्य पूज्यपाद स्वामी, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-35-36, क्र.-548 से 551 तक, ग्रन्थ भण्डार नं.-3536, 3793, 4259, 4260, इनमें प्राचीन प्रति क्र. 550 का लिपिकाल-वि.सं. 1595, पत्र सं.-122, आकार-24x10 से.मी., श्री दिगम्बर जैन सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर (राज.) से प्राप्त प्रतियाँ, एवं 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 3), पृष्ठ-97-98, क्रमांक-1607, ग्रन्थ

क्र. 2907, पत्र सं.-70, आकार-8.5x16 से.मी., श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, माढ़ा, महाराष्ट्र से प्राप्त प्रति।

148. ***सर्वार्थसिद्धि भाषा*** (हिन्दी) – पं. टोडरमल, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग-2), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.- 146, ग्रन्थ क्र.-239, पत्र संख्या-353, आकार-10x7 इंच, लिपिकाल - वि. संवत् 1869, वेष्टन सं. 1960, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बड़ा तेरहपंथियों का, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति, दयाचन्द्र जी ने जयपुर नगर में प्रतिलिपि की।

149. ***सर्वार्थसिद्धि वचनिका*** (हिन्दी) – पं. जयचन्द्र छाबड़ा, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2-3), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, (भाग 2), पृष्ठ-123-124, एवं पृष्ठ- 97-98, ग्रन्थ भण्डार क्र.-860; (भाग 3), 1610, 3110, 3305, 5455, इनमें प्राचीन प्रति क्र. 1610 का लिपिकाल विक्रम संवत् 1892, पत्र सं.-221, आकार - 13x27 से.मी.। श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, जानसट, उत्तरप्रदेश से तथा अन्य प्रतियाँ श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पिड़ावा (राज.); श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, सारोला (राज.); एवं श्री दिगम्बर जैन मन्दिर भानपुरा (म.प्र.) से संग्रहीत। **विशेष** – इसी भण्डार में हस्तलिखित ग्रन्थ पंजीयन रजिस्टर (3), क्र. 10210 पर 'सर्वार्थसिद्धि वचनिका' (हिन्दी), वि.सं. 1931 की श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बड़वाह (खरगौन) म.प्र. से संग्रहीत, पत्र संख्या-568, आकार-17x32 से.मी. वाली प्रति भी है। इसके रचनाकार के नाम का उल्लेख नहीं दर्शाया है।

150. ***सुखबोध–तत्त्वार्थवृत्ति*** (तत्त्वार्थसूत्र की संस्कृत टीका) – पण्डित योगदेव, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-1), संपादन-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्। पृष्ठ क्रमांक-66-67 एवं परिशिष्ट पृष्ठ-139-140, क्रमांक-388, ग्रन्थ संख्या-झ/115, जैन सिद्धान्त भवन, आरा में लिपिकार रोशनलाल जैन ने आषाढ़ शुक्ल 5, बृहस्पतिवार, वी.नि.सं. 2461, वि.सं. 1992 को प्रतिलिपि की, आकार-35.2x16.3 से.मी.।

(ऋ) तत्त्वार्थसूत्र विषयक ताडपत्रीय ग्रन्थ

Palmleaf Manuscripts of Tattvārthasūtra

[*'कन्नडप्रान्तीय ताडपत्रीय ग्रन्थ सूची,* सम्पादक-पं. के. भुजबली शास्त्री, मूडबिद्री, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, प्रथमावृत्ति-1 जनवरी, 1948 से सन्दर्भित अधोलिखित (क्र. 18-19 को छोड़कर) समस्त विवरण ।]

1. ***तत्त्वरत्नप्रदीपिका*** – पण्डित बालचन्द्र देव, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-168, पत्र सं.-196, पंक्ति प्रतिपत्र-8, अक्षर प्रतिपंक्ति-80, लिपि-कन्नड, भाषा-कन्नड, पूर्ण, सामान्य, शुद्ध, सामान्य दशा, पृष्ठ क्र.-44, शेष विवरण उपरिलिखितवत् । **विशेष–** यह आचार्य उमास्वाति कृत 'तत्त्वार्थसूत्र' की विस्तृत कन्नड वृत्ति है । यह वृत्ति श्री मूलसंघ देशीयगण कोण्डकुन्दान्वयी चन्द्रकीर्ति मुनि के सुत-शिष्य राद्धान्तचक्री पण्डित नयकीर्ति के पुत्र-शिष्य मुनीन्द्र बालचन्द्र के द्वारा रची गयी है ।
2. ***तत्त्वरत्नप्रदीपिका–*** पण्डित बालचन्द्र देव, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-763, पत्र सं.-136.5, पंक्ति प्रतिपत्र-9, अक्षर प्रतिपंक्ति-104, लिपि एवं भाषा-कन्नड, पूर्ण, सामान्य शुद्ध, दशा-सामान्य, पृष्ठ क्र.-44, शेष विवरण उपरिलिखितवत् ।
3. ***तत्त्वार्थराजवार्तिक–***आचार्य अकलंकदेव, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-291,पत्र सं.-280, पंक्ति प्रतिपत्र-8, अक्षर प्रतिपंक्ति-117, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध तथा सामान्य दशा,पृष्ठ क्र.-8, शेष विवरण उपरिलिखितवत् । **विशेष –** इसी भण्डार में इस ग्रन्थ की ताडपत्रीय प्रति क्र.-487 एवं 497 भी हैं, जो जीर्ण दशा में हैं ।
4. ***तत्त्वार्थराजवार्तिक –*** आचार्य भट्टाकलंक, प्रति प्राप्तिस्थान-' सिद्धान्त वसदि, जैन पंच, मूडबिद्री', ताड़पत्रीय ग्रन्थ क्र.-15, पत्र सं.-400, पंक्ति प्रतिपत्र-13, अक्षर प्रतिपंक्ति-108, लिपि-नागरी, भाषा-संस्कृत, अपूर्ण, शुद्ध तथा सामान्य दशा, पृष्ठ क्र.-255, शेष विवरण उपरिलिखितवत् ।

5. ***तत्त्वार्थ लघु वृत्ति*** – भट्टारक दिवाकर मुनीन्द्र, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' नं.-173, पत्र सं.-69, पंक्ति प्रतिपत्र-7, अक्षर प्रतिपंक्ति-72, लिपि एवं भाषा-कन्नड, पूर्ण, शुद्ध तथा सामान्य दशा, पृष्ठ क्र.-45, शेष विवरण उपरिलिखितवत्। **विशेष**–यह आचार्य उमास्वाति कृत 'तत्त्वार्थसूत्र' की कन्नड़ लघुवृत्ति है। श्री भट्टारक चन्द्रकीर्ति के प्रशिष्य, सिद्धान्तदेव पद्मनन्दी के शिष्य सिद्धान्त-मुनीन्द्र दिवाकरनन्दी के द्वारा यह वृत्ति रची गयी है। प्रतिलिपिकार शिषलग्राम निवासी गुरुवप्प हैं। 'मूडबिद्री जैन मठ के ताडपत्रीय ग्रन्थों' में ग्रन्थ नं.-57, 88, 785 एवं 906 पर 'तत्त्वार्थ लघु वृत्ति' ग्रन्थ की अन्य प्रतियाँ भी उपलब्ध हैं।
6. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** – आचार्य प्रभाचन्द्र, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-137, पत्र सं.-15, पंक्ति प्रतिपत्र-9, अक्षर प्रतिपंक्ति-89, लिपि- कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध तथा सामान्य दशा, पृष्ठ क्र.-45, शेष विवरण उपरिलिखितवत्।
7. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक*** – आचार्य विद्यानन्दी, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-581, पत्र सं.-185, पंक्ति प्रतिपत्र-8, अक्षर प्रतिपंक्ति-140, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, अपूर्ण, सामान्य शुद्ध, दशा- सामान्य, पृष्ठ क्र.-93, शेष विवरण उपरिलिखितवत्। **विशेष** – इसी भण्डार में ग्रन्थ नं. 48, 436, 508 एवं 584 पर तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक ग्रन्थ की अन्य ताडपत्रीय प्रतियाँ भी उपलब्ध हैं।
8. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकालंकार*** – आचार्य विद्यानन्दी, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-431, पत्र सं.-255, पंक्ति प्रतिपत्र-9, अक्षर प्रतिपंक्ति-8, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, लेखनकाल-शालि. शक 1421, पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध, दशा-सामान्य, पृष्ठ क्र.-93-94, शेष विवरण उपरिलिखितवत्। इस प्रति के लेखक पण्डित देव हैं। इसी भण्डार में ग्रन्थ नं. 220 पर इसकी एक अन्य ताडपत्रीय प्रति भी उपलब्ध है, जिसका विवरण पृष्ठ 220 पर है।
9. ***तत्त्वार्थसुखबोधवृत्ति*** – भास्करनन्दी, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ क्र.-908, पत्र सं.-54, पंक्ति प्रतिपत्र-14, अक्षर प्रतिपंक्ति-

203, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, सामान्य शुद्ध, दशा-उत्तम, पृष्ठ-45, शेष विवरण उपरिलिखितवत् है।

10. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य उमास्वाति, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ' नं.-229, क्र.-126, पत्र सं.-21, पंक्ति प्रतिपत्र-9, अक्षर प्रतिपंक्ति- 59, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, विषय-धर्म, लेखनकाल-x, पूर्ण तथा शुद्ध, दशा-उत्तम, पृष्ठ-45।

11. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य उमास्वाति, 'मूडबिद्री जैन मठ का ताडपत्रीय ग्रन्थ नं.-303, क्र.-127, पत्र सं.-71, पंक्ति प्रतिपत्र-11, अक्षर प्रतिपंक्ति- 97, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, विषय-धर्म, लेखनकाल-शालि. शक 1680, पूर्ण तथा शुद्ध, दशा-सामान्य। **विशेष** – इसमें भट्टारक दिवाकर मुनि कृत कन्नड वृत्ति भी है। लक्ष्मीसेन मठ के अधिकारी विक्र सेट्टि के पुत्र, विद्यार्थी चन्द्र ने भट्टारक लक्ष्मीसेन के लिए शा. शक 1680, बहुधान्य संवत्सर, मार्गशिर कृष्णा 14 के दिन मूडबिद्री के त्रिभुवन चूडामणि चैत्यालय में इसे लिखा है, पृष्ठ क्र.-45, शेष विवरण उपरिलिखितवत्। **विशेष** – मूडबिद्री जैन मठ में आचार्य उमास्वाति कृत 'तत्त्वार्थसूत्र' (मूल संस्कृत सूत्र) की अन्य ताडपत्रीय प्रतियाँ ग्रन्थ क्र. 334, 351, 355, 363, 400, 517, 623, 698, 736, 745, 749 एवं 819 भी हैं, जिनका विस्तृत विवरण उपरिलिखित ग्रन्थ के पृष्ठ 46 पर उपलब्ध है।

12. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य उमास्वाति, 'जैन मठ, कारकल का ताडपत्रीय ग्रन्थ क्र.-13, पत्र सं.-34, पंक्ति प्रतिपत्र-10, अक्षर प्रतिपंक्ति-95, लिपि- कन्नड, भाषा-संस्कृत, विषय-धर्म, लेखनकाल-x, अपूर्ण तथा शुद्ध, दशा-जीर्ण। **विशेष–** इसमें दिवाकरनन्दि-कृत कन्नड लघुवृत्ति है; बीच के दो पत्र नहीं हैं, पृष्ठ क्र.-285, शेष विवरण उपरिलिखितवत्।

13. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य उमास्वाति, 'मा. देवराज सेट्टि, मूडबिद्री के पास, ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-1, पत्र सं.-13, पंक्ति प्रतिपत्र-8, अक्षर प्रतिपंक्ति-32, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध तथा उत्तम दशा, पृष्ठ क्र.-259, शेष विवरण उपरिलिखितवत्।

14. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य उमास्वामी, 'मूडबिद्री जैन भवन का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-76, पत्र सं.-4, पंक्ति प्रतिपत्र-7, अक्षर प्रतिपंक्ति-70, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध तथा उत्तम दशा, पृष्ठ क्र.-208, शेष विवरण उपरिलिखितवत्।

15. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – आचार्य प्रभाचन्द्र, 'मूडबिद्री जैन भवन का ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-272, पत्र सं.-27, पंक्ति प्रतिपत्र-7, अक्षर प्रतिपंक्ति-76, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध, उत्तम दशा, पृष्ठ क्र.-208, शेष विवरण उपरिलिखितवत्।

16. ***श्लोकवार्तिक*** – आचार्य विद्यानन्दी, 'मूडबिद्री जैन मठ के ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-288, पत्र सं.-145, पंक्ति प्रतिपत्र-6, अक्षर प्रतिपंक्ति-100, लिपि- नागरी, भाषा-संस्कृत, पूर्ण, शुद्ध, जीर्ण, पृष्ठ क्र.-103, शेष विवरण उपरिलिखितवत् है।

17. ***सर्वार्थसिद्धि–*** आचार्य पूज्यपाद, 'मूडबिद्री जैन मठ के ताडपत्रीय ग्रन्थ' क्र.-286, पत्र सं.-116, पंक्ति प्रतिपत्र-10, अक्षर प्रतिपंक्ति-71, लिपि-कन्नड, भाषा-संस्कृत, लेखनकाल-शालि. शक 1521, पूर्ण, शुद्ध एवं उत्तम दशा, पृष्ठ क्र.-73-74, शेष विवरण उपरिलिखितवत्। **विशेष–** शालि. शक 1521, विलंबि संवत्सर, भाद्रपद कृष्णा प्रतिपदा के दिन सरस्वतीगच्छ बलात्कारगण कोण्डकुन्दान्वय के आचार्य वसुन्धर ने इसे लिखा है। इसी भण्डार में ग्रन्थ नं. 43, 137, 499, 576 एवं 713 पर सर्वार्थसिद्धि ग्रन्थ की अन्य ताडपत्रीय प्रतियाँ भी हैं।

18. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र : सुखबोधा टीका सहित*** –टीकाकार - भास्करनन्दी, ग्रन्थ लिपि, पत्र सं. 1-104, आकार - 41½.x3½ से.मी., अपूर्ण, 'केटलॉग ऑफ दि जैन मेन्युस्क्रिप्ट्स ऑफ दि ब्रिटिश लाइब्रेरी, (3 वॉल्यूम), संपादक आदि शेष विवरण पूर्ववत्, 'क्लासीफाइड लिस्ट ऑफ एण्ट्रीज', -II 'दिगम्बर लिट्रेचर', क्र. 1206, मैकेन्जी VIII-93 (इंडिया ऑफिस लाइब्रेरी), वॉल्यूम-I, पृष्ठ नं. 104 एवं वॉल्यूम-III, पृष्ठ-340।

19. ***विशेष*** – तत्त्वार्थसूत्र से संबंधित कुछ अन्य ताड़पत्रीय प्रतियों का वर्णन 'तत्त्वार्थसूत्रम्' के पृष्ठ-687, क्र-12, पृष्ठ-699, क्र.-59, पृष्ठ-716, क्र.-128 पर भी उल्लिखित है। ●